सं. ए-45011/3/2022-प्रशासन III
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
***

नई दिल्ली,20 मई, 2022

कार्यालय ज्ञापन

अधोहस्ताक्षरी को अप्रैल, 2022 माह के लिए आर्थिक कार्य विभाग के संबंध में महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर मासिक सारांश के अवर्गीकृत भाग को इसके साथ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

अरूप श्याम

(अरूप श्याम चौधुरी)
उप सचिव, भारत सरकार
दूरभाष नं. 23095091

सेवा में,

1. केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य, भारत सरकार, नई दिल्ली।
2. उपाध्यक्ष, नीति आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली।
3. कैबिनेट सचिव, कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
4. भारत के राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
5. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव, 6, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली।
6. प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली
7. अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली।
8. नीति आयोग के सभी सदस्य, योजना भवन, नई दिल्ली।
9. सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव, भारत सरकार, नई दिल्ली।
10. राज्यमंत्री (वित्त) के निजी सचिव, वित्त सचिव के प्रधान निजी सचिव, सचिव (ईए) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (राजस्व) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (व्यय) के प्रधान निजी सचिव, सचिव (दीपम) के प्रधान निजी सचिव।
11. श्री वी.अनंत नागेश्वरन, मुख्य आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग।
12. अपर सचिव, कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
13. श्री मनोज सहाय, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (वित्त)।
14. श्री एएम बजाज, अपर सचिव (एफएम), आर्थिक कार्य विभाग
15. श्री रजत कुमार मिश्रा, अवर सचिव (बजट), आर्थिक कार्य विभाग।
16. श्री संजीव सान्याल, प्रधान आर्थिक सलाहकार, आर्थिक कार्य विभाग।
17. आर्थिक कार्य विभाग में सभी प्रभागों के प्रमुख।

वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार (सीएंडसी/एफएसएलआर/एफएसएंडसीएस)/संयुक्त सचिव (सी.एंड.सी और ओएमआई)/संयुक्त सचिव (बजट)/संयुक्त सचिव (आईपीपी/संयुक्त सचिव (आईएसडी)/संयुक्त सचिव (आईएनबी)/सभी सलाहकार/सीएएए

18. श्री राजेश मल्होत्रा, महानिदेशक (एम एंड सी), वित्त मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
19. गार्ड फाइल-2

ए-45011/3/2022-प्रशा.III
वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

***

विषय: अप्रैल, 2022 के महीने के लिए आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) से संबंधित महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर मासिक सारांश

I. महीने के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

1. वृहद आर्थिक अवलोकन:

एक मजबूत विकास की गति ने 2021-22 की तीसरी तिमाही में वास्तविक जीडीपी को 2019-20 के पूर्व-महामारी तीसरी तिमाही आउटपुट का 106.2 प्रतिशत और पहली तीन तिमाहियों के संयुक्त उत्पादन को महामारी से पहले के स्तर के 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। ये अनुमान भारत की लचीली और मजबूत वसूली की संभावनाओं की पुष्टि करते हैं और भारत के मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों की गवाही देते हैं।

अप्रैल 2022 के दौरान जीएसटी संग्रह (मार्च लेनदेन को प्रतिबिंबित करने वाला) 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 20 प्रतिशत की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज करता है और महामारी से पहले के इसी स्तर की तुलना में 46.7 प्रतिशत अधिक है।

मुद्रास्फीति के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों और भू-राजनीतिक तनाव को तेज करने के कारण वैश्विक पीएमआई समग्र सूचकांक मार्च 2022 में घटकर 52.7 हो गया, जो फरवरी 2022 में 53.4 था।

2021-2022 के लिए, खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 5.5 प्रतिशत थी, जबकि 2020-21 में यह 6.2 प्रतिशत थी। डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 2021-2022 में 12.9 प्रतिशत थी। 2021-22 में थोक मुद्रास्फीति में वृद्धि का एक हिस्सा पिछले वर्ष में कम आधार के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है और आंशिक रूप से विश्व अर्थव्यवस्था में पलटाव और महामारी से संबंधित प्रतिबंधों को कम करने के कारण उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में औद्योगिक मांग के पुनरुत्थान से प्रेरित है। रूस यूक्रेन संघर्ष के कारण आपूर्ति पक्ष व्यवधान ने भी हाल के महीनों में वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि दर्ज की है।

पीएमआई विनिर्माण के अनुसार भारत की विनिर्माण गतिविधि अप्रैल 2022 में ठीक हो गई और मार्च 2022 में 54 तक कम होने के बाद 54.7 पर रही, क्योंकि नई व्यवस्था और उत्पादन खरीद

गतिविधि में वृद्धि के साथ संयोजन के रूप में एक मजबूत गति से विस्तारित हुए। पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर देने के साथ आगामी महीनों में औद्योगिक गतिविधियों में सुधार होने की उम्मीद है।

मार्च 2022 में उद्योग को ऋण में 7.1 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि देखी गई। मध्यम उद्योगों ने मार्च, 2022 में 71.4 प्रतिशत की उच्च दोहरे अंकों की साल-दर-साल ऋण वृद्धि दर्ज की, इसके बाद सूक्ष्म और लघु उद्योगों द्वारा 21.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

पीएमआई सेवाएं फरवरी 2022 में 51.8 से मार्च 2022 में सुधरकर 53.6 हो गईं। सेवाओं के सुदृढ़ीकरण का श्रेय नई व्यवस्था में विस्तार, बेहतर मांग की स्थिति और बढ़े हुए व्यावसायिक विश्वास को दिया जाता है।

मार्च 2022 में, माल निर्यात का प्रदर्शन लचीला बना रहा, जिससे साल-दर-साल 19.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, माल का निर्यात 419.65 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा है, जो 2020-21 की तुलना में 43.8 प्रतिशत अधिक है, जो विश्व अर्थव्यवस्था में पलटाव से आंशिक रूप से लाभान्वित हुआ है।

निजी निवेश के संकेतक आईआईपी के पूंजीगत सामान सूचकांक में अप्रैल-फरवरी 2021-22 में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 18.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

वर्तमान तिमाही के लिए उच्च आवृत्ति संकेतक आर्थिक गतिविधि में सुधार के संकेत को दिशा देते हैं क्योंकि नए मामलों में गिरावट के साथ ओमीक्रॉन प्रेरित प्रतिबंधों में ढील दी गई है। पूंजीगत व्यय को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों से गुणक प्रभाव के माध्यम से विकास और रोजगार को अधिक बढ़ावा मिलेगा।

2. **महत्वपूर्ण विकास:**

(i) वित्त मंत्रालय की वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट लोकसभा/राज्यसभा के सदस्यों के बीच परिचालित की गई थी।

(ii) निम्नलिखित के लिए राजपत्र अधिसूचनाएं जारी की गई हैं:

(क) "श्री गुरु तेग बहादुर जी की 400 वीं जयंती" के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी करने के लिए।
(ख) "दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष" के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी करने के लिए।
(ग) "श्री जवाहर लाल दर्डा की जन्मशती" के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी करने के लिए।

(iii) बहुपक्षीय और द्विपक्षीय विकास एजेंसियों के साथ निम्नलिखित करारों/ऋणों पर हस्ताक्षर किए गए थे:

(क) एडीबी के साथ 2.0 मिलियन अमरीकी डॉलर की राशि के लिए ऋण संख्या 6046-आईएनडी: नागालैंड शहरी अवसंरचना विकास परियोजना पर हस्ताक्षर किए गए थे।